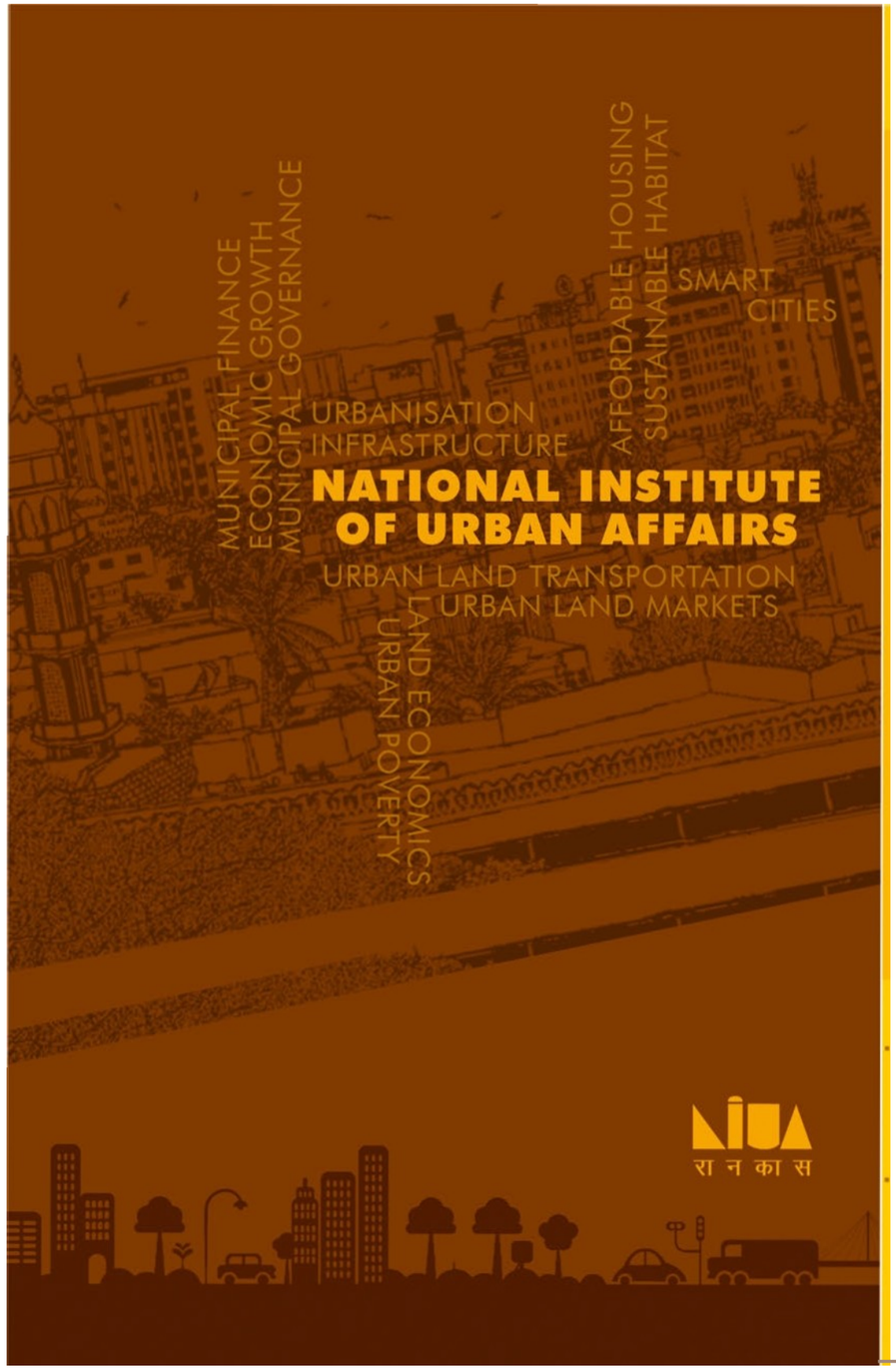

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (एनआईयूए) भारत में शहरी क्षेत्र के लिए अनुसंधान, क्षमता निर्माण तथा ज्ञान के प्रसार के लिए एक प्रमुख संस्थान है। यह संस्थान शहरीकरण, शहरी नीति तथा नियोजन, नगरीय वित्त तथा अभिशासन, भूअर्थव्यवस्था, पारगम उन्मुख विकास, शहरी आजीविकाओं, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन और स्मार्ट सिटी पर अनुसंधान संचालित करता है। इस संस्थान की स्थापना अनुसंधान और अभ्यास के मध्य अंतराल को पाटने तथा शहरी विकास के लिए प्रवृत्तियों और संभावनाओं के महत्वपूर्ण तथा निष्पक्ष विश्लेषण हेतु की गई थी। एनआईयूए ने शहरी विकास मंत्रालय, विभिन्न राज्य सरकारों, बहुपक्षीय अभिकरणों तथा अन्य निजी संगठनों हेतु नीति निर्माण और कार्यक्रम मूल्यांकन व अनुश्रवण में सहायता प्रदान की है। वर्ष 1992 में संस्थान ने 74वें संविधान संशोधन के प्रारुप को तैयार करने में सहभागिता निभाई, राष्ट्रीय शहरी नीति के मसौदे को तैयार किया, राष्ट्रीय शहरीकरण आयोग में योगदान दिया तथा जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) को कार्यान्वित करने हेतु अन्य दस्तावेजों को तैयार किया। इसने नगरीय वित्त पर मॉडल नगरीय कानून को तैयार करने हेतु सत्र का मार्गदर्शन भी किया।

एनआईयूए को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत स्वायत्त निकाय के रूप में वर्ष 1976 को स्थापित किया गया था। निदेशक संस्थान के मुख्य कार्यकारी के रूप में कार्य करता है और गवर्निंग काउंसिल के समग्र दिशानिर्देश के तहत कार्य करता है जिसमें भारत सरकार तथा विशिष्ट शहरी विशेषज्ञ शामिल हैं। गत 37 वर्षों में संस्थान ने कई राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय संगठनों तथा शहरी क्षेत्र के भागीदारों के साथ एक महत्वपूर्ण नेटवर्क बनाया है।

विज़न

शहरी भारत हेतु एकीकृत समाधानों का संवर्धन करना।

मिशन

शहरी क्षेत्रों में प्रभावी नवाचारों के समर्थन हेतु नए अनुसंधान और विशेषज्ञता को विकसित करना तथा ज्ञान के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास के माध्यम से उनका प्रसार करना।

कार्यात्मक संरचना

एनआईयूए पारस्परिक रूप से जुड़े कई यूनिटों में संगठित है जो कार्यात्मक अधिदेश प्रदान करते हैं और इसमें गतिविधियों की इसकी श्रेणियां शामिल हैं। अनिवार्य रूप से चार कार्यात्मक यूनिटें हैः विषयक अनुसंधान यूनिट जो ज्ञान के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर कार्य करते हैं, शहरी डेटा केन्द्र, क्षमता निर्माण सेल तथा सूचना, प्रकाशन तथा संचार प्रकोष्ठ। संकल्पित किया गया है कि प्रत्येक अनुसंधान के विषयक क्षेत्र एक समर्पित केन्द्र के रूप में विकसित होंगे।

अनुसंधान के विषय

शहरीकरण, शहरी अवसंरचना और आर्थिक विकास

मैक्रो पैरामीटर का अध्ययन जो सतत समीक्षा और शहरीकरण, प्रवास, शहरी अवसंरचना तथा आर्थिक विकास के बीच संबंध के विश्लेषण के साथ शहरी विकास तथा इसके स्थानिक विस्तार को प्रभावित करते हैं।

नगर निगम वित्तपोषण और शासनः

अपने राजस्व के स्रोत के लिए स्थानीय क्षमता को सुदृढ़ करते हुए, बाजार से धन उठाते हुए तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी की उचित संरचना पर ध्यान देते हुए राष्ट्रीय, राज्य और नगर निगम स्तर पर वित्तीय संरचना का अध्ययन।

भूमि अर्थव्यवस्था और परिवहनः

देश तथा विदेशों में भूमि विकास के वर्तमान मॉडल, भूमि अर्थव्यवस्था तथा शहरी विकासपर इसका प्रभाव, भूमि बाजार का पर्याप्त कार्य, भूमि के प्रयोग और परिवहन के बीच संबंध तथा भूमि की प्राप्ति तथा पूलिंग के प्रति प्रत्युत्तर का अध्ययन।

शहरी गरीबी

उन स्थितियों का अध्ययन जो शहरी गरीबी पैदा करते हैं तथा जारी रखते हैं तथा सुधार के उपाय, आजीविका की भूमिका तथा शहरी गरीबी का प्रत्युत्तर निर्धारित करने में न्यायसंगत मार्ग, तथा उद्यमिता, श्रम और सामाजिक संरचना का स्वरूप जो विस्तृत शहरीकरण का निर्माण कर सके।

वहनीय आवास

उन कारकों का अध्ययन जो शहरों में आवास की वहनीयता को सचालित करता है तथा संरचनात्मक, वित्तीय और तकनीकी पहलू जो वहनीय आवास, स्वयं स्वामित्व वाली तथा किराये वाली दोनों की आपूर्ति को प्रभावित करता है।

दीर्घकालिक आवास, पर्यावरण और मौसम परिवर्तन

शहरीकरण और मौसम परिवर्तन के साथ इसके संबंध, मौसम संबंधी बाधाओं एवं जोखिमों को कम करना, शहरी प्रणालियों में भवन लचीलापन तथा विभिन्न मौसमी क्षेत्रों में अवस्थित शहरी प्रणालियों के संबद्ध वहनीयता के आकलन का अध्ययन।

स्मार्ट सिटी

उन स्थितियों का अध्ययन जिसमें सिटी सहभागी योजना के लिए आईसीटी आधारित और डाटा सक्षम प्लेटफार्म तथा तकनीकी निष्पादन पैरामीटर के सिटीजेन नियुक्ति, वास्तविक समय माप, ई-गवर्नेंस में सक्षमता और पारदर्शिता प्राप्त कर सकते हैं।

शहरी डाटा केन्द्र

केन्द्र प्रयोक्ता अनुकूल तरीके से विभिन्न स्रोतों से शहरी क्षेत्र के उन विशिष्ट डाटा का संकलन और प्राप्त करेंगे जो शहरी क्षेत्र के लिए निदान और पूर्वानुमान को सक्षम बना सकता है। इससे भारतीय शहरों की स्थिति तथा सम्पन्नता और प्रतिस्पर्द्धात्मकता के रूप में ऐसे संकेतकों के महत्व के संबंध में सूचनाएं दे सकते है।

क्षमता निर्माण प्रकोष्ठ

समर्पित प्रकोष्ठ ज्ञान उत्पाद, पाठ्यक्रम मॉड्यूल तथा मानव संसाधनों का प्रशिक्षण तैयार करेगा जो शहरी तथा तकनीकी विशेषज्ञों की मांग को पूरा करेगा।

सूचना, प्रकाशन और संचार प्रकोष्ठ

प्रकोष्ठ बेहतर कार्यों को नोट करेगा तथा इसका प्रसार करेगा तथा सर्वोतम गुणवत्तापूर्ण विकास प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतराष्ट्रीय नेटवर्क के संसाधनों का उपयोग करेगा। एनआईयूए नियमित रूप से अनुसंधान गतिविधियों, प्रशिक्षण सत्रों, सम्मेलनों, सेमिनारों, कार्यशालाओं और व्याख्यानों के परिणामों के आधार पर रिपोर्ट, सामयिक कागजात और अनुसंधान अध्ययनों का प्रकाशन करता है। यह संस्थान एक महत्वपूर्ण द्विवार्षिक जर्नल, अर्बन इंडिया का प्रकाशन करता है। (एनआईयूए द्विवार्षिक जर्नल पर्यावरण एवं शहरीकरण, दक्षिण भारत का भी प्रकाशन करता है) और अर्बन न्यूज शीर्षक से एक मासिक प्रकाशन करता है जो अग्रणीसमाचार पत्रों और पत्रिकाओं से चुने गए अर्बन सेक्टर से संबंधित समाचारों का संकलन है।

यह संस्थान एक अधिकारिक वेबसाइट (www.niua.org) का रखरखाव करती है तथा जेएनएनयूआरएम के समकक्ष अनुभवी तथा विचारात्मक शिक्षण (पर्ल) पहल के अंतर्गत सर्वोतम कार्यों के प्रसार के लिए फ्लैगशीप पोर्टल इंडिया अर्बन पोर्टल (www.indiaurbanportal.in) का अनुरक्षण करता है।

संकाय और स्टाफ

एनआईयूए में अनुसंधान संकाय और स्टाफ में शहरी और क्षेत्रीय योजना, अर्थशास्त्र, शहरी भूगोल शास्त्र, पर्यावरण विज्ञान और सांख्यिकी सहित ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों का समूह शामिल है।

निदेशक

जगन शाह, एम.एस. आर्क

वरिष्ठ अनुसंधान संकाय

उषा पी रघुपति, एम. प्लान
प्रोफेसर
शहरी अवसंरचना एवं सेवाएं, शहरी पर्यावरण, शहरी विकास एवं प्रबंधन

श्यामला मणि, पीएचडी
प्रोफेसर
अपशिष्ट प्रबंधन एवं पर्यावरण स्वास्थ्य

देबोलिना कुंडू, पीएचडी
एसोसिएट प्रोफेसर
जनसांख्यिकी, प्रवास, बहिष्कार, आवास, भूमि अर्थशास्त्र, स्थानीय वित्त

परमिता दत्ता दे, एम. प्लान
वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी
शहरी गरीबी, पर्यावरण नियोजन, सुधार, नीति विश्लेषण

संदीप ठाकुर, पीएचडी
वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी
नगर वित्त एवं प्रशासन, वित्त आयोग, सार्वजनिक निजी भागीदारी

देबजानी घोष, पीएचडी
वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी
शहरी नियोजन, शहरी शासन, क्षमता निर्माण

अनुसंधान अधिकारी

अर्चना रॉय, एम.ए.

कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी

एम. अहमद, एम.ए.
अजय निगम, एम.कॉम
नवीन माथुर, एम.ए.

अनुसंधान विश्लेषक

प्रोमिला जैन, एम.ए.
सतपाल सिंह, पीएचडी

नेटवर्क

यह संस्थान शहरी क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण नेटवर्क का एक सक्रिय प्रस्तावक रहा है, जैसे जेएनएनयूआरएम मिशन सिटी और सिटी प्रबंधक एसोसिएशन। एनआईयूए कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क जैसे इंडियन हेरिटेज सिटी नेटवर्क (आईएचसीएन), मेट्रोपोलिस (यूसीएलजी का अर्बल डिवीजन), और सिटीनेट का एक पंजीकृत सदस्य है।

संपर्क

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान, पहली तथा दूसरी मंजिल, कोर 4बी,
इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड़, नई दिल्ली 110003, भारत
(0) + 91 11 24643284, 24617517
फैक्स (91 11) 24617513
वेबसाइटः www.niua.org